



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 10]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 11, 1990/भावण 20, 1912

No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 11, 1990/SRAVANA 20, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है किससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रक्त जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

रक्त मंत्रालय

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1990

का.नि.श. 11(ब) -- राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त ग्रंथियों का प्रयोग करते हुए, रक्त अनुसंधान और विकास मंत्री नियम, 1979 का और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् --

(1) इन नियमों का मंत्रिलेखन नाम रक्त अनुसंधान वार विकास मंत्री (मंत्रीघर) नियम, 1990 है।

(2) वे राजान्त्र में प्रकाशन की दारीय को प्रसून हों।

2 रक्त अनुसंधान और विकास मंत्री नियम, 1979 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में --

(1) नियम 2 के उपनियम (1) के अन्त पर निम्नलिखित उपनियम रक्त जायेगा, अर्थात् --

(1) "मूल्यांकन वोर्क" में नियम 8 के उपनियम (2) के अधीन गठित वोर्क प्रभित है।

(2) उक्त नियमों के नियम 9 में खण्ड (9) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड जोड़े जावेंगे, अर्थात् --

"(10) 'आन्तरिक छंटनी समिति' से प्रोफेशन के सिंच वैज्ञानिकों की गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन काली रिपोर्टों का मूल्यांकन करने के प्रयोजन के लिये नियम 8 के उपनियम (2) के अधीन गठित समिति प्रभित है।

(11) "प्रिंसर समिति" के नियम 8 के उपनियम (2) के अधीन गठित समिति प्रभित है।

(12) "विद्या शास्त्र" से उन विषय अनिवार्य हैं जिसमें वैज्ञानिकों द्वारा प्रोत्साहित किये गये अध्यायों का अध्यायित्व किया जाता है।

(3) उक्त नियमों के नियम 8 में, उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उच्चनियम रखा जायेगा, अर्थात्—

"(2) (क) सेवा में एक श्रेणी से भगतों उच्चतर श्रेणी में प्रोत्साहित लचीरी पूरक स्तरों के ग्राहीयों की जायेगी। वैज्ञानिक "क" के स्तर पर प्रोत्साहित गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टों के मूल्यांकन और मूल्यांकन माध्यात्मक एवं प्रोत्साहित "च" से "ए" तक के लिये प्रोत्साहित गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टों के मूल्यांकन और पीयर समिति द्वारा निश्चिरण के आधार पर की जायेगी। अनुसूची 1ग और 1घ में विनियिक्ट रूप से गठित आन्तरिक छठनी समिति नियन्त्रण तीम वर्षों की प्राकाशी कालाकृष्ण के पूरा होने पर वैज्ञानिक "घ" की ओर व्यन्त्रण भार वर्ष की प्राकाशी कालाकृष्ण के पूरा होने पर वैज्ञानिक "ग", "घ" और "क" की ओर अनुसूची पाँच वर्षों की प्राकाशी कालाकृष्ण के पूरा होने पर वैज्ञानिक "क" की जैसे उन वर्ष के 30 जन की हो, जिससे दूसरों के मूल्यांकन वोई द्वारा विचार किये जाने के लिये वैज्ञानिकों की पात्रता का विनियोग यारे के लिये गोपनीय वर्ष की कर्तृता द्वारा दिया जाएगा। और वैज्ञानिकों को अधिकतम अक देगा। सूचीबद्ध ये लिये वैज्ञानिकों की पात्रता का विनियोग नहीं होने पर अनुसूची कर्तृता का अनुसूचणा करेगी।

(i) आन्तरिक छठनी उन श्रेणी में कम से कम गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टों पर आधारित होगी और गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टों में 60 प्रतिशत और अंकों से कम प्राप्त करने वाले वैज्ञानिक निश्चिरण के लिये पाँच नहीं होंगे।

(ii) मूल्यांकन के लिये पात्रता के लिये अर्हक भेदा सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों या ऐसे गोपनीयों के लिये जो 1 जुलाई के पश्चात् प्रत्यनि नियन्त्रण से परे कारणों से कार्यभार संभालते हैं, तो उनमें तक विधियां की जायेगी।

(iii) अनियन्त्रण आवारों पर अवाधारण छटटी के विषय उपर्योग की गई सभी प्रकार की सूची की गणना प्रोत्साहित की पात्रता के लिये अर्हक सेवा के रूप में जी जायेगी।

(vi) ऐसे अन्य वैज्ञानिक विभागों से, जहां लचीरी पूरक स्तरों लागू हैं, रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा में उनी श्रेणी में प्रतिनियुक्ति पर विभागी के स्थायी अधिकारी की देश में, उनी श्रेणी में (जिनके अनुग्रह मूल विभाग भी है) उन वैज्ञानिकों की सम्पूर्ण सेवा की गणना आकाशी कालाकृष्ण के लिये की जायेगी। यदि कोई अधिकारी भेदा में उच्चतर श्रेणी में प्रतिनियुक्ति पर आता है और 1 पश्चात्कर्ता वर्षों की उभी श्रेणी में स्थायी रूप से आवेदित कर दिया जाता है तो प्रतिनियुक्ति पर दिया गई कालाकृष्ण की गणना अर्थात् उच्चतर श्रेणी में प्रोत्साहित पर विद्युत वर्ष करने के लिये आकाशी कालाकृष्ण के लिये की जायेगी।

(v) तर्थव्य नियन्त्रित के अर्थात् उहने के भाव के हैं एक हुए भी व्यन्त्रण आवारों का कालाकृष्ण में प्रत्यक्ष वर्ष के विधियों के विविध विभिन्न पर उन श्रेणी में वर्द्धम वैद्यनिक विधियां विधान विभाग मूल्यांकन रिपोर्टों में तगड़ा है 60 प्रतिशत और उसे अधिक गंभीर गत गतिहास है।

(vi) इन नियमों में अनियिक्ट किसी वर्ष के हैं एक हुए भी व्यन्त्रण आवारों का कालाकृष्ण में प्रत्यक्ष वर्ष के विधियों के विविध विभिन्न पर उन श्रेणी में भिन्न विभिन्न गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टों में तगड़ा है 60 प्रतिशत और उसे अधिक गंभीर गत गतिहास है।

(vii) इन नियमों में अनियिक्ट किसी वर्ष के हैं एक हुए भी व्यन्त्रण आवारों का कालाकृष्ण में प्रत्यक्ष वर्ष के विधियों के विविध विभिन्न पर उन श्रेणी में भिन्न विभिन्न गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टों में 90 प्रतिशत वा उपरे अधिक गंभीर गत गतिहास है।

(viii) उक्त खण्ड (6) और (7) के प्रत्यक्ष व्यन्त्रण विहित आवारों कालाकृष्ण में विधियों के विविध विभिन्न पर उन श्रेणी में किसी वैज्ञानिक के अन्यून कैरियर में दो वार तक परिसीमित होगा।

(ix) (1) वैज्ञानिक "क" के स्तर से वैज्ञानिक "क" के स्तर तक प्रोत्साहित के लिये विधियों का आवाहान करने के लिये अनुसूची 1ग में विनियिक्ट स्पष्ट में मूल्यांकन वोई गठित किया जायेगा। एक विश्रित वोई में अधिक गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टों में तगड़ा है 60 प्रतिशत और उसे अधिक गंभीर गत गतिहास है।

(2) अनुसूची 1घ में विनियिक्ट रूप से गठित पीयर समिति उन वैज्ञानिकों "क" का मूल्यांकन करेगी जिन्होंने विहित व्यन्त्रण में आवारों कालाकृष्ण पूरी वर्ष सी है और जिनके बारे में अनियिक्ट किसी विभिन्न विधान विभाग मूल्यांकन रिपोर्टों में लोकानि के लिये मूल्यांकन के लिये सिफारिश की जाती है।

(3) मूल्यांकन वोई 60 प्रत्यक्ष वर्ष के लिये विधियों का विविध विभिन्न पर उन श्रेणी में कम से कम 10 वार या ऐसे अन्यशास्त्रों पर, जो अनुसूचना और विकास महा निवेदण वारा विनियिक्ट किये जायें, भविष्यत किया जावेगा।

(4) वैज्ञानिक "क" के स्तर तक प्रोत्साहित के लिये वैज्ञानिकों की उच्चतरता का मूल्यांकन करने के लिये मूल्यांकन वोई, मूल्यांकन संसाक्षण में ग्राप्ट फिले गये श्रेणी की ओर गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टों को दिये गये अंकों की समान वरीयता देगा। ग्राप्ट किये गये अंकों के आधार पर मूल्यांकन वोई प्रोत्साहित के लिये "योग्य" या "अमीर योग्य नहीं" के रूप में वैज्ञानिकों की सिफारिश दर्जी होगी। ग्राप्ट प्रोत्साहित के लिये योग्यता को एक वर्ष के लिये व्यन्त्रण वारा देगा।

(5) ऐसे वैज्ञानिकों "क" की, जो अनियिक्ट छठनी समिति द्वारा पात्र घोषित किये गये हैं, वैज्ञानिकों "घ" के रूप में प्रोत्साहित के विधियों पीयर समिति द्वारा योग्यता, उत्तराधिकारों, अनियिक्ट, व्यन्त्रण और व्यवस्थीय गणों पर विचार करने के पावार की जायेगी कोई मूल्यांकन माध्यात्मक नहीं होगा।

(6) मूल्यांकन वोई अन्य एवं पीयर समिति की सिफारिशों को उक्त वर्ष की गयम जुलाई से कार्यालय दिया जायेगा जिन्होंने मूल्यांकन वोई 2. पीयर समिति संवर्धित है विश्व उन श्रेणी के, किया जायेगा जिनमें प्रोत्साहित समिति द्वारा विनियिक्ट विधियों की गई है। यह तारीख प्रोत्साहित के लिये विधियों द्वारे सभी वैज्ञानिकों के संबंध में उन श्रेणी में उनकी ज्येष्ठता का अवधारण करने वाले विभाग के लिये नयन की मार्गीक्षा मानी जायेगी परन्तु अह तब जब कि वे उन वारीजों की कर्तव्य पर हों, तथापि ऐसे वैज्ञानिक

जो उस शार्टेल को लूट दी पर हों, उन थोड़ी में जिनमें वे प्रोत्तर थिए गए हैं उन तारोंके से, जिनको वे कर्तव्य पर प्राप्त हैं कार्यमार ग्रहण करेंगे। किन्तु इससे उनके नेतृत्व की तारीख पर अवश्य उसी मूल्यांकन बोर्ड द्वारा नियमित के लिये विकारिशन किये रखे अन्य वैज्ञानिकों के मुकायेने में उच्चतर थोड़ी में उनकी प्रस्तर, उपेतुग, पर ममता नहीं पड़ती। (मूल नियम 51 के अधीन) विदेशी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे वैज्ञानिकों की जहाँ तक संवेद नहीं है, वे अन्ततः उच्चतर थोड़ी में उन तारीखें पर प्रोत्तर दिये जाते हैं जिससे वे इस प्रकार प्रेस्यर किये गए तौर पर दिये गये विद्युत विद्युतण पर न रहे होंगे। ऐसा नियमितवित घटनी को पूरा किये जाने के अधीन रहते हुए होता है।

- (1) ऐसे प्रशिक्षण को कालावधि की मूल नियम 9'(6)(ब्र) के अधीन करनेव भवति जाना है।
- (2) उनका मूल्यांकन बोर्ड या प्रधान मंत्री द्वारा अनली उच्चतर थोड़ी में प्रोत्तरत के लिये मूल्यांकन किया जाता है और उन्हें विद्युत योग्य पाया जाना है।
- (3) विभी विकारिशन थोड़ी में प्रोत्तरत के लिये सर्वे उच्चतर विकारिशन थोड़ी को उन थोड़ी में प्रोत्तर किया जाता है, विद्युत उच्चतर योग्यताओं के जिनके बारे में विकारिशन की रही है कि “प्रभावी विद्युत नहीं है”।
- (4) लचीली पूरक स्कीम के अधीन किसी वैज्ञानिक के एक थोड़ी से अन्यतर उच्चतर थोड़ी में प्रोत्तरत पर उसके द्वारा वारित पर स्थान उच्चतर थोड़ी की जायेगा, और यह उसके लिये विकारिशन होगा।
- (5) उक्त नियमों की अनुमूली 1 के स्थान पर नियमितवित अनुमूलीयों रथी जानेगी, अथवा—

अनुमूली 1क

[नियम 8(2) विविध]

वैज्ञानिक “ब्र” से वैज्ञानिक “क्र” तक की गोपनीय निपादन मूल्यांकन रिपोर्टों का पुनर्विनोकन करने के लिये प्रान्तरिक छटनी ममिति

अपर सचिव (अनुसंधान और विकास) या मुख्य नियंत्रक, अनुसंधान और विकास

—मध्यव

रक्षा अनुसंधान और विकास समाजत की किन्हीं प्रश्नोगणात्मकों या स्थानीयों या मुख्यलयों से तीन नियेशक

—सदरव

नियेशक, कार्मिक

—मध्यव

नियेशक, जनशक्ति, योजना और विकास

—सदस्य

टिप्पण—मध्यव के लिये, ममिति के किसी सदस्य की अनुपस्थिति के कारण प्रान्तरिक छटनी ममिति की कार्यवाहिया अविभिन्नता नहीं होंगी।

अनुमूली 1ब्र

[नियम 8(2) विविध]

वैज्ञानिक “ब्र” की गोपनीय निपादन मूल्यांकन रिपोर्टों का पुनर्विनोकन करने के लिये प्रान्तरिक छटनी ममिति

—मध्यव

प्रद्यात वैज्ञानिक या अपर सचिव (अनुसंधान और विकास)

—सदरव

दो मुख्य नियंत्रक, अनुसंधान और विकास

टिप्पण—मध्यव से भिन्न, ममिति के किसी सदस्य की अनुपस्थिति के कारण प्रान्तरिक छटनी ममिति की कार्यवाहिया अविभिन्नता नहीं होंगी।

अनुमूली 1ग

[नियम 8(2) विविध]

रक्षा अनुसंधान और विकास भेदा में वैज्ञानिक “घ” स्तर तक के वैज्ञानिकों की प्रोत्तरति के लिये उपयुक्तता निर्धारित करने के लिये मूल्यांकन बोर्ड

(1) अध्यक्ष या सह अध्यक्ष

केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किया जायगा।

(2) दो बास्तु

जिका संस्थाओं, अनुसंधान और विकास संगठनों या उद्योगों से अध्यक्ष द्वारा नाम-निर्विचित किय जायेंगे।

(3) दो विभागीय सदस्य

महानिदेशक, अनुसंधान और विकास द्वारा नामनिर्विचित किये जायेंगे।

(4) प्रवौद्यालय का निदेशक या उसका प्रतिनिधि।

टिप्पण—(1) मूल्यांकन बोर्ड के अध्यक्ष या सह-अध्यक्ष से भिन्न नियोगी सदस्य वी अनुपस्थिति के कारण मूल्यांकन बोर्ड की कार्यवाहिया अविभिन्नता नहीं होंगी।

(2) जहाँ वैज्ञानिकों के समुचित मूल्यांकन के लिये यह आवश्यक समस्त जाय वहाँ अध्यक्ष या से अधिक याहाँ नहस्त नाम-निर्विचित कर देंगे।

ग्रन्तुसूची १४

[नियम ८(२) देखिए]

रक्षा ग्रन्तुसंधान और विकास सेवा में वैज्ञानिक "व" की वैज्ञानिक "ए" के रूप में प्रीति के लिये उपयुक्तता निर्णायित करने के लिये पीयर समिति

प्रध्यक्ष केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किया जायेगा।

सचिव, रक्षा ग्रन्तुसंधान और विकास विभाग—सरकार

केन्द्रीय सरकार के ग्रन्तुवैज्ञानिक विभागों से कोई दो सचिव—सरकार

राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं या शिक्षा संस्थाओं में से किसी एक से एक विभाग वैज्ञानिक—सरकार

केन्द्रीय सरकार के संयुक्त सचिव या उसके समतुल्य प्राप्तियों का सरकारी दांव में दक्ष प्रबध विभाग—सरकार

अपर सचिव (रक्षा ग्रन्तुसंधान और विकास) या मुख्य नियंत्रक, रक्षा ग्रन्तुसंधान और विकास—सरकार

टिप्पण: ग्रन्तुसंधान से भिन्न पीयर समिति के किसी सरकार की प्रतिपादिति के कारण पीयर समिति की कार्यवाहिया अविधिमात्र नहीं होगी।"

[सं. श्री. प्रार. डी. शो./76205/प्रार. डी./एम. पी. डी./2947/रक्षा (प्रार. एड. डी.)]

दुर्गा दास, अध्यक्ष

टिप्पण: रक्षा ग्रन्तुसंधान और विकास नियम, का.नि.आ. ४, तारीख ३० विसंवर, १९७८ के रूप में भारत के राजपत्र भाग २, खंड ५, में प्रकाशित हुए थे और तत्पश्चात् इनका निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया:

का.नि.आ. ३०७, तारीख १० अक्टूबर, १९८०

का.नि.आ. १९६, तारीख २ अगस्त, १९८२

का.नि.आ. १५९, तारीख ५ मई, १९८३

का.नि.आ. १७६, तारीख ७ अगस्त, १९८४

का.नि.आ. २२८, तारीख १३ नवम्बर, १९८४

का.नि.आ. १७०, तारीख १२ जुलाई, १९८५

का.नि.आ. १८६, तारीख २ अगस्त, १९८५

का.नि.आ. २२८ तारीख ६ जून, १९८६

का.नि.आ. १५८ तारीख ४ मई, १९८७

का.नि.आ. ३२८ तारीख २५ सितम्बर, १९८७

MINISTRY OF DEFENCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th August, 1990

S.R.O. 11(E).—In exercise of powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Defence Research and Development Services Rules, 1979, namely :—

1. (1) These rules may be called Defence Research and Development Service (Amendment) Rules, 1990.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Defence Research and Development Service Rules, 1979 (hereinafter referred to as the said rules) :—
(1) In rule 2 sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely :—
“(1) ‘Assessment Board’ means the Board constituted under sub-rule (2) of rule 8.”

(2) In rule 2 of the said rules after clause (9), the following clauses shall be added, namely :—

“(10) ‘Internal Screening Committee’ means the Committee constituted under sub-rule (2) of rule 8 for the purpose of evaluating the confidential performance appraisal reports of scientists for promotion.

(11) “Peer Committee” means the Committee constituted under sub-rule (2) of rule 8.

(12) “Discipline” means the subject in which scientists are assessed for promotion.”

(3) In rule 8 of the said rules, for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(2) (a) Promotion from one grade to the next higher grade in the service shall be made under the Flexible Complementing Scheme. Promotion upto the level of Scientist ‘F’ shall be made on the basis of evaluation of confidential performance appraisal reports and assessment interview and for Scientist ‘F’ to ‘G’ on the basis of the evaluation of confidential performance appraisal reports and assessment by a Peer Committee.

The Internal Screening Committees constituted as specified in Schedule 1A and 1B, shall review the confidential performance appraisal reports of Scientists ‘B’ on completion of minimum residency period of three years and of Scientists ‘C’, ‘D’ and ‘E’ on completion of minimum residency period of four years and of Scientists ‘F’ on completion of minimum residency period of five years as on 30th June of the year to which the assessment boards pertains. The Internal Screening Committees shall evolve its own criteria for deciding the eligibility of scientists for consideration by the Assessment Boards and award average marks for the Scientists, while deciding eligibility of scientists for assessment, the Internal Screening Committee shall follow the criteria enumerated below : -

- (i) Internal Screening shall be based on not more than last five years’ confidential performance appraisal reports in the grade and scientists securing less than 60% average marks in the confidential performance appraisal reports shall not be eligible for assessment.
- (ii) Relaxation upto three months in the qualifying service for eligibility for assessment shall be given to direct recruits or promotees who join after 1st July for reasons beyond their control.
- (iii) All kinds of leave availed except extraordinary leave on personal grounds shall count as qualifying service for eligibility for promotion.
- (iv) In case of permanent absorption, of a scientist on deputation in the same grade in Defence Research and Development Service from other Scientific Departments where Flexible Complementing Scheme is applicable, the entire service of that scientist in the same grade including in the parent department shall be counted towards residency period. If an Officer comes on deputation on a higher grade into the service and later permanently absorbed in the same grade in the service, the period spent on deputation shall be counted for residency period for consideration for promotion to the next higher grade.
- (v) On regular appointment in the service, of a scientist in continuation of adhoc appointment, the period of service rendered in adhoc capacity in the grade shall count towards residency period provided that the officer is selected for regular appointment at the first attempt.
- (vi) Notwithstanding anything contained in these rules, a relaxation of one year in the minimum residency period can be granted to or Scientist ‘C’/‘D’/‘E’ provided that he earns consistently 90% and above marks in three successive confidential performance appraisal reports in the grade.
- (vii) Notwithstanding anything contained in these rules, a relaxation of one year in the minimum residency period can be granted to a scientist ‘F’ provided that he earns consistently 90% or above mark in four successive confidential performance appraisal reports in the grade.
- (viii) Relaxation in the minimum prescribed residency period in terms of clauses (vi) and (vii) above shall be limited to two times in the entire career of any scientist in the service.

- (b) (i) The Assessment Board for interviewing candidates for promotion from the level of scientist 'B' and upto the level of Scientist 'F' shall be constituted as specified in Schedule 1C. More than one Assessment Boards may be constituted at any one time in various stations.
- (ii) A Peer Committee constituted as specified in Schedule 1D shall assess those Scientists 'F' who have completed the prescribed minimum residency period and are recommended by the Internal Screening Committee for assessment for promotion to the next higher grade.
- (c) Assessment Boards or Peer Committee shall be convened at least once in a year or at such intervals as may be specified by the Director General Research and Development.
- (d) In assessing the suitability of scientists for promotion upto the level of scientist 'F', the Assessment Board shall give equal weightage to marks obtained in the Assessment interview and to the confidential performance appraisal reports marks awarded by Internal Screening Committee. Based on the total marks obtained, the Assessment Board shall recommend scientist as 'FIT' or 'NOT YET FIT' for promotion or defer the fitness for promotion by one year.
- (e) Recommendations for promotion of Scientists 'F', who have been declared eligible by the Internal Screening Committee to Scientists 'G' shall be made by the Peer Committee taking into consideration merit, achievements, personality, leadership and managerial qualities etc. There shall be no assessment interview.
- (f) Recommendations of the Assessment Boards or Peer Committee shall be implemented from first July of the year to which the Assessment Board or Peer Committee pertains except in those cases where specific recommendations are made by the Assessment Boards or Peer Committee regarding effective date of promotion. This date shall be treated as the date of selection for the purpose of determining their seniority in the grade in respect of all scientists cleared for promotion provided they are on duty on that date. However, scientists who are away on leave on the date, shall assume charge in the grade to which they are promoted with effect from the date they resume duty but this shall not affect their 'date of selection' or their inter seniority in the higher grade vis-a-vis the other scientists cleared for promotion by the same Assessment Board. In so far as scientists undergoing training abroad (under Fundamental Rule 51), they shall be promoted to the next higher grade with effect from the date they would have been so promoted had they not proceeded on training, subject to the following conditions being fulfilled :
 - (i) The period of such training is treated as duty under Fundamental Rule 9(6)(b);
 - (ii) They have been assessed and found fit for promotion to the next higher grade by the Assessment Board or Peer Committee.
 - (iii) All the seniors, except those recommended as 'Not Yet Fit' for promotion to the particular grade, available have been promoted to that grade.
- (g) Under Flexible Complementing Scheme, on promotion of a scientist from one grade to the next higher grade, the post held by him shall stand upgraded automatically and personal to him.
- (h) For Schedule I the said rules the following Schedules shall be substituted, namely :—

SCHEDULE 1

[See rule 8(2)]

The Internal Screening Committee to review the confidential performance appraisal reports to Scientist 'B' to Scientist 'E'—

Additional Secretary (Research and Development) or Chief Controller Research and Development — Chairperson.

Three Directors from any Defence Research and Development Organisation Laboratories or Establishments or Headquarters. — Members

Director of Personnel — Member

Director Manpower Planning and Development. — Member

NOTE : The absence of any member of the Committee other than the Chairperson shall not invalidate the proceedings of the Internal Screening Committee.

SCHEDULE 1B

[See rule 8(2)]

The Internal Screening Committee to review confidential performance appraisal reports of Scientist 'F'.

Distinguished Scientist or Additional Secretary (Research and Development) — Chairperson.

Two Chief Controllers Research and Development — Members.

NOTE : The absence of any member of the Committee other than the Chairperson shall not invalidate the proceedings of the Internal Screening Committee.

SCHEDULE 1C

[See rule 8(2)]

The Assessment Board for assessing suitability of scientists for promotion, upto Scientist 'F' level in Defence Research and Development Service.

(i) Chairperson To be appointed by the Central Government.

OR

Co-Chairperson To be appointed by the Chairperson from a panel approved by the Central Government

(ii) Two External Members. To be nominated by the Chairperson from Academic Institutions Research and Development Organisations or Industries.

(iii) Two Departmental Members To be nominated by Director General Research and Development.

(iv) Director of the Laboratory or its representative.

NOTE : (i) The absence of any member of the Assessment Board other than the Chairperson or Co-Chairperson shall not invalidate the proceedings of the Assessment Board.

(ii) Chairperson can nominate more than two external members wherever it is considered necessary for proper evaluation of scientists.

SCHEDULE 1D

[See rule 8(2)]

The Peer Committee for assessing suitability of Scientist 'F' for promotion to Scientist 'G' in Defence Research and Development Service.

Chairman	To be appointed by the Central Govt.
Secretary, Department of Defence Research and Development	—Member.
Any two Secretaries from other Scientific Departments of the Central Government.	— Member.
One eminent scientist from any one of the National Laboratories or Academic Institutions.	—Member.
Management Specialist well versed in the Government Frame work of the status of Joint Secretary to the Central Government or its equivalent.	Member.
Additional Secretary (Defence Research and Development) or Chief Controller Research and Development.	— Member.

NOTE : The absence of any member of the Peer Committee other than the Chairperson shall not invalidate the proceedings of the Peer Committee.

[No. DRDO/76205/RD/MPD-2/2947/D(R & D)]

DURGA DAS. Under Secy.

NOTE : The Defence Research and Development Service Rules published in the Gazette of India Part II, Section 4, vide S.R.O. 8 dated the 30th December 1978, have been amended vide S.R.O. 307 dated the 10th October 1980, S.R.O. 196 dated the 2nd August 1982, S.R.O. 159 dated the 5th May 1983, S.R.O. 176 dated the 7th August 1984, S.R.O. 228 dated the 13th November 1984, S.R.O. 170 dated the 12th July 1985, S.R.O. 186 dated the 2nd August 1985, S.R.O. 228 dated the 6th June 1986, S.R.O. 158 dated the 4th May 1987 and S.R.O. 328 dated the 25th September 1987.